>

Title: Need to review the Anganwadi Bal Chikitsa Yojana in the country to reduce death rate due to malnutrition.

**श्री वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़):** अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर दिलाना चाहता हूं।...(व्यवधान) दुनिया भर में पैदा होने वाले एक-चौथाई बच्चों की लंबाई कुपोषण के कारण न्यूनतम पैमाने से भी कम रह जाती है।...(व्यवधान) इनमें सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि ऐसे ठिगनेपन का शिकार होने वाले बच्चे, दुनिया के 38 प्रतिशत बच्चे अपने ही देश के हैं।...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

**श्री वीरेन्द्र कुमार:** संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूनिसेफ ने अपनी ताज़ा रिपोर्ट में यह पाया है।...(व्यवधान) रिपोर्ट के अनुसार कुपोषण की वज़ह से ठिगने रह गए पांच वर्ष तक के 80 प्रतिशत बच्चे चौदह देशों में हैं।...(व्यवधान) इनमें से भारत सबसे ऊपर है लेकिन बाकी के सभी देश मिलकर 42औ होते हैं। हमारे यहां पांच साल तक की उम्र का हर दूसरा बच्चा लगभग 48 प्रतिशत इस समस्या का शिकार है।

**अध्यक्ष महोदया :** आप बैठ जाइए। आप क्यों खड़े हैं?

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

**श्री वीरेन्द्र कुमार :** भारत में गंभीर या सामान्य रूप से इसके शिकार हुए बच्चों की संख्या 6.17 करोड़ है।

इसी तरह कुपोषण के कारण लम्बाई के मुकाबले वजन कम रह जाने के लिहाज से भारत पहले नम्बर पर है। यहां ढाई करोड़ बच्चे इसका शिकार हैं, जब कि दुनिया भर में 5.2 करोड़ बच्चे ऐसे पाए गए हैं। भारत में पैदा होने वाले बच्चों को देखें तो इनमें से 20 प्रतिशत से ज्यादा कम वजन के होते हैं। इसी तरह कुपोषण के कारण बच्चों में बीमारियां और अपंगता से लेकर मृत्यु तक प्रमुख कारण बनते हैं। कम उम्र में विकास ठीक नहीं होने से भविष्य में उसकी शिक्षा, आय और उत्पादकता पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन में अनुरोध करना चाहता हूं कि कुपोषण से होने वाली मृत्यु दर कम करने एवं बच्चों को स्वास्थ्य की दृष्टि से चलने वाली केन्द्र सरकार की योजनाएं आंगन वाड़ी बाल चिकित्सा आदि की समीक्षा करके, ठीक ढंग से करवाने एवं दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के कदम उठाने की पहल केन्द्र सरकार द्वारा शीघ्र की जानी चाहिए।

**अध्यक्ष महोदया:**

श्रीमती रमा देवी,

श्री रावसाहेब दादाराव दान्वे,

श्री अशोक अर्गल,

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्रीमती ज्योति धुर्वे,

श्री हंसराज गंगाराम अहीर,

श्री लालूभाई बी. पटेल,

श्री ए.टी. नाना पाटील,

श्री मोहन जेना,

श्री वीरेन्द्र कश्यप,

श्री नारणभाई काछड़िया,

श्री जीतेन्द्र सिंह बुन्देला श्री वीरेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए विषय से अपने को सम्बद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया:** श्री पोन्नम प्रभाकर - अनुपस्थित।

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया:** आप बैठ जाइए, थोड़ी शांति रखिए, सब को बारी-बारी बुलाएंगे।

â€¦(व्यवधान)